

## सरकारी प्रतभूतियाँ

### प्रलिमिंस के लिये:

सरकारी प्रतभूतियाँ, [भारतीय रज़िर्व बैंक \(RBI\)](#), [राजकोषीय घाटा](#), ट्रेज़री बलि (टी-बलि), [ओपन मार्केट ऑपरेशंस](#) (खुले बाज़ार संचालन)

### मेन्स के लिये:

सरकारी प्रतभूतियाँ, भारतीय अर्थव्यवस्था एवं योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास एवं रोज़गार से संबंधित मुद्दे।

[स्रोत: द हट्टी](#)

## चर्चा में क्यों?

सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिये [सरकारी प्रतभूति](#) उधार पूरा कर लिया है और उसे वित्तीय वर्ष 25 (FR 25) में [भारतीय रज़िर्व बैंक](#) से वित्त वर्ष 24 के समान ही लाभांश की आशा है।

- उधार लेने के प्रतसरकार का दृष्टिकोण सतर्क रहता है, वह वविकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करती है साथ ही यह सुनिश्चित करती है कि उधार वास्तविक ज़रूरतों के अनुरूप हो।
- G-Sec उधार का पूरा होना, RBI से लाभांश आय की अपेक्षाओं के साथ मलिकर, राजकोषीय स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ व्यय लक्ष्यों को पूरा करने के प्रयासों को दर्शाता है।

## RBI द्वारा सरकार को अधशेष हस्तांतरित करने को कौन-से नयिम नयित्तरति करते हैं?

- RBI भारतीय रज़िर्व बैंक अधनियिम, 1934 की धारा 47 (अधशेष लाभ का आवंटन) के अनुसार अपना अधशेष सरकार को हस्तांतरित करता है।
  - वाई.एच.मालेगाम (2013) की अध्यक्षता में RBI बोर्ड की एक तकनीकी समिति, जिसने भंडार की पर्याप्तता एवं अधशेष वितरण नीति की समीक्षा के अनुरूप सरकार को उच्च हस्तांतरण की सफ़ारिश की।
- इस खंड में कहा गया है कि RBI, आरक्षित एवं बनाए रखे गए राजस्व की अनुमति देने के बाद अतिरिक्त राशि सरकार को हस्तांतरित करता है।
- हस्तांतरित राशि विभिन्न कारकों के आधार पर नरिधारित की जाती है, जिसमें घरेलू एवं वदिशी प्रतभूतियों की होल्डिंग्स पर ब्याज, इसकी सेवाओं से शुल्क तथा कमीशन, वदिशी मुद्रा लेन-देन से लाभ के साथ-साथ सहायक कंपनियों एवं सहयोगियों से रटिर्न जैसे स्रोतों से RBI की आय शामिल है।
  - व्यय में, RBI मुद्रा नोटों की छपाई, जमा तथा उधार पर ब्याज का भुगतान, कर्मचारियों के वेतन एवं पेंशन, कार्यालयों तथा शाखाओं के परिचालन व्यय साथ ही आकस्मकित्ताओं व मूल्यहरास के प्रावधान जैसी लागतें वहन करता है।

## सरकारी प्रतभूतियाँ (G-Sec) क्या हैं?

- परचिय:
  - सरकारी प्रतभूति (G-Sec) केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकारों द्वारा जारी एक व्यापार योग्य लिखित (Instrument) है।
  - G-Sec एक प्रकार का ऋण साधन है जो सरकार द्वारा अपने [राजकोषीय घाटे](#) के वतितपोषण हेतु जनता से धन उधार लेने के लिये जारी किया जाता है।
    - ऋण लेख एक वतित्तीय साधन है जो जारीकर्त्ता द्वारा नरिदष्टि तथिपर धारक को एक नशिचति राशि, जिसि मूलधन अथवा अंकति मूल्य के रूप में जाना जाता है, का भुगतान करने के लिये संवदिात्मक दायतिव का प्रतनिधितिव करता है।
  - यह सरकार के ऋण दायतिव को स्वीकार करता है।



**प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, 'खुला बाज़ार प्रचालन' किसने नरिदष्टि करता है? (2013)**

- (a) अनुसूचति बैंकों द्वारा RBI से ऋण लेना
- (b) वाणजियकि बैंकों द्वारा उद्योग और व्यापार क्षेत्रों को ऋण देना
- (c) RBI द्वारा सरकारी प्रतभूतियों का क्रय और वक्रिय
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

**उत्तर: (c)**

**प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, नमिनलखिति में से कौन-सा/से गैर-वत्ततीय ऋण में सम्मलिति है? (2020)**

- 1. परवारों का बकाया गृह ऋण
- 2. क्रेडिटि कार्डों पर बकाया राशि
- 3. राजकोष बलि

**नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:**

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

**उत्तर: (d)**

- ब्याज के साथ ऋण यानी मौद्रकि कर्ज़/उधार चुकाना संवदिात्मक दायतिव है ।
- **गैर-वत्ततीय ऋण**
  - इसमें सरकारी संस्थाओं, परवारों और व्यवसायों द्वारा जारी क्रेडिटि उपकरण शामिल हैं जो क्वत्ततीय क्षेत्र में शामिल नहीं हैं ।
  - इसमें औद्योगकि अथवा वाणजियकि कर्ज़, राजकोषीय बलि (ट्रेज़री बलि) और क्रेडिटि कार्ड शेष (Balance) शामिल हैं ।
  - वे बड़े पैमाने पर वत्ततीय ऋण के समान हैं, इस अपवाद के साथ कि गैर-वत्ततीय संस्थाएँ उन्हें जारी करती हैं । अतः कथन 1, 2 और 3 सही हैं ।
- **अतः वकिल्प (d) सही उत्तर है ।**

**प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2018)**

- 1. भारतीय रज़िर्व बैंक भारत सरकार की प्रतभूतियों का प्रबंधन और सेवाएँ प्रदान करता है, लेकनि कसिी राज्य सरकार की प्रतभूतियों का नहीं ।
- 2. भारत सरकार कोष-पत्र (ट्रेज़री बलि) जारी करती है और राज्य सरकारें कोई कोष-पत्र जारी नहीं करती ।
- 3. कोष-पत्र ऑफर अपने समतुल्य मूल्य से बट्टे पर जारी कयि जाते हैं ।

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

**उत्तर: (c)**